है। जो पौधा मरने लगे उसकी जगह नई पौध लगाई जा सकती हैं।

खाद व उर्वरक : 20 से 25 टन प्रति हैक्टेयर की दर से गोबर की खाद बुवाई के एक माह पूर्व खेत में मिलायें। बुवाई के समय 60 किग्रा नत्रजन व 40 किग्रा फॉस्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से देना चाहिए। बाद में प्रत्येक कटाई के बाद 30 किग्रा नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से देना चाहिए।

कटाई : 4–6 प्रति वर्ष।

हरा चारा उपज : प्रति वर्ष 1000 क्विंटल/हैक्टेयर

किस्में : बुंदेल गिनी–1, बुंदेल गिनी–2 एवं पी.जी.जी.–14

संकर नेपियर बाजरा एवं गिनी घास से पूरे वर्ष हरा चारा उत्पादन

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

सुरेन्द्र सिंह शेखावत

सागर मल कुमावत

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (चारा फसलें)

कृषि अनुसंधान केन्द्र (एस.के.आर.ए.यू.), बीकानेर–334 006

संकर नेपियर बाजरा

यह एक बहुवर्षीय हरे चारे की फसल हैं, जिसमें पूरे वर्ष हरा चारा मिलता है। यह सिंचाई सुविधा वाले क्षेत्र में ही उगाई जा सकती है।

बुवाई का समय : जुलाई–अगस्त

बुवाई का तरीका : इसमें बीज नहीं बनते हैं, इसलिए इसकी बुवाई इसके परिपक्व तने के टुकड़ों से या जड़ सहित तने के टुकड़ों से की जाती है। तने के टुकड़ों में कम से कम दो गांठें होनी चाहिए। इन टुकड़ों को कतार से कतार की दूरी 0.75 मीटर व पौधे से पौधे की दूरी 50 सेमी के हिसाब से खेत में लगाते हैं। एक बार लगाई गई पौध से 4–5 वर्ष तक पूरे वर्ष हरा चारा मिलता है। जो पौधा मरने लगे उसकी जगह नई पौध लगाई जा सकती है।

खाद व उर्वरक : 25 टन प्रति हैक्टेयर की दर से गोबर की खाद बुवाई के एक माह पूर्व खेत में मिलायें। बुवाई के समय 50 किग्रा नत्रजन व 50 किग्रा फास्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से देना चाहिए। बाद में प्रत्येक कटाई के बाद 30 किग्रा नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से देना चाहिए।

कटाई : 4–6 प्रतिवर्ष। पहली कटाई 3 माह बाद बुवाई होने पर। उसके बाद में 45 दिन के अंतराल पर।

हरा चारा उपज : औसतन 300 क्विंटल/हैक्टेयर/कटाई। प्रति वर्ष करीब 1500 क्विंटल/हैक्टेयर।

किस्में : एन.बी. 21, आई.जी.एफ.आर.आई–3, आई.जी.एफ.आर.आई.–7, पूसा जाईंट, संकर नेपियर–3 आदि।

गिनी घास

यह एक बहुवर्षीय हरे चारे वाली घास है। इससे पूरे वर्ष हरा चारा मिलता है। इसकी खेती सिंचाई सुविधा वाले क्षेत्र में की जा सकती हैं।

बुवाई का समय : जुलाई–अगस्त

बीज की मात्रा : 5 किग्रा/हैक्टेयर

बुवाई का तरीका : खेत में बुवाई के लिए उपलब्ध क्षेत्रफल के हिसाब से बीज की मात्रा लेकर पहले जुलाई माह में नर्सरी तैयार की जाती हैं। जब 2–3 माह के पौधे हो जावें तो खेत में उनको उखाड़ कर उपलब्ध क्षेत्र में लगाया जाता है। कतार से कतार की दूरी 75 सेमी व पौधे से पौधे की दूरी 50 सेमी रखी जाती हैं। एक बार लगाई गई पौंध से 4–5 वर्ष तक पूरे वर्ष हरा चारा मिलता